Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2019-2020
सत्र –2019–20

Class/कक्षा	:	B.A/बी.ए. प्रथम वर्ष
Subject/विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	**प्रथम**
Title of paper	:	Pracheen evam Madhyakaleen Kavya
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित विद्यार्थियों के लिए निर्धारित 50 स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित

Particulars/विवरण

इकाई एक	कबीर ,सूरदास, तुलसीदास, जायसी एवं बिहारी (निर्धारित अंशों से व्याख्या)
इकाई दो	भक्तिकाल एवं रीतिकाल की पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियॉ, धाराएँ एवं विशेषताएँ
इकाई तीन	कबीर, सूर और तुलसी पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई चार	जायसी और बिहारी पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई पांच	द्रुत पाठ के कवि– अमीर खुसरो, विद्यापति, मीरा, केशव, भूषण, पद्माकर और घनानन्द, (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)
नोट–	द्रुत पाठ के कवियों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

पाठ्यांश–

1. कबीरदास– **कबीर ग्रंथावली** –सम्पादक –डॉ. श्यामसुन्दर दास–काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (प्रारंभिक 50 साखियां)
2.सूरदास – **भ्रमरगीत सार**– सम्पादक– आचार्य रामचंद्र शुक्ल (प्रारंभिक 50 पद)
3.तुलसीदास – **श्रीरामचरितमानस** (सुंदर कांड), **कवितावली** (उत्तरकांड)
4.जायसी– **पद्मावत** –संपादक– डॉ श्यामसुंदर दास (नागमती वियोग खंड)
5.बिहारी– **बिहारी रत्नाकर** –सम्पादक –जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 50 दोहे)
द्रुत पाठ– **अमीर खुसरो, विद्यापति, मीरा, केशव, भूषण, पद्माकर और घनानन्द** (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

(प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा)
Chairman BOS

डॉ. पुष्पा दुबे

डॉ. वन्दना अग्निहोत्री
(अध्यक्ष)

03.06.19

(डॉ. आनन्द कुमार सिंह)

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र— 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक । कुल 50 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक ।

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन	**कुल अंक 40**
खण्ड अ – 1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंकों की कुल दो व्याख्याएँ)	5 X 2 =10 अंक
	कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक **। इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।**

अंक विभाजन–

खण्ड अ – 1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5=05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3=9 अंक
खण्ड स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2=16 अंक
ब– व्याख्या (दस–दस अंकों की कुल दो व्याख्याएँ)	10 X 2=20 अंक
	कुल अंक 50

निर्धारित पुस्तकः प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित किया जायेगा।

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।

Chairman BoS

03.06.19

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2019-2020

सत्र –2019–20

Class/	:	B.A/बी.ए. प्रथम वर्ष
Subject/	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	**द्वितीय / second**
Title of paper	:	Hindi katha sahitya
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी कथा साहित्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई एक	गोदान – प्रेमचन्द अथवा महाभोज– मन्नू भंडारी निर्धारित उपन्यासों एवं कहानियों से व्याख्या
इकाई दो	हिन्दी उपन्यास एवं कहानी का उद्भव, विकास एवं प्रवृत्तियाँ
इकाई तीन	"गोदान" अथवा "महाभोज" पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई चार	निर्धारित कहानियों पर समीक्षात्मक प्रश्न
इकाई पांच	द्रुत पाठ – अमृतलाल नागर, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, राजेन्द्र यादव, कृष्णा सोबती, मालती जोशी और चित्रा मुद्गल (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)
नोट–	द्रुत पाठ के कहानीकारों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

पाठ्यांश–

1 उपन्यासः–

गोदान– प्रेमचंद अथवा महाभोज–मन्नू भंडारी

2 हिन्दी कथा साहित्य :–

(1) पुरस्कार–जयशंकर प्रसाद
(2) बूढ़ी काकी –प्रेमचंद
(3) अपना–अपना भाग्य–जैनेन्द्र कुमार
(4) रोज–अज्ञेय
(5) वापसी –उषा प्रियंवदा
(6) चीफ की दावत–भीष्म साहनी
(7) दोपहर का भोजन–अमरकांत

द्रुत पाठ– अमृतलाल नागर, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, राजेन्द्र यादव, कृष्णा सोबती, मालती जोशी और चित्रा मुद्गल । द्रुत पाठ के कहानीकारों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र— 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक । कुल 50 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक ।

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – 1	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– व्याख्या – (कुल दो व्याख्याएँ क्रमशः पांच–पांच अंकों की)	5 X 2 =10 अंक
		कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।
अंक विभाजन–

खण्ड अ – 1	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 4 प्रश्न)	3 X 3 =9 अंक
खण्ड स–	अ–दीर्घ उत्तरीय(आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब–व्याख्या (दस–दस अंकों की कुल दो व्याख्याएँ)	10 X 2 =20 अंक
		कुल अंक 50

टीप— दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।

निर्धारित पुस्तकः 'हिन्दी कथा सहित्य' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जायेगी।

Chairman BoS

(5)

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2020-2021
सत्र –2020–21

Class/कक्षा	:	B.A/बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject/विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	**प्रथम**
Title of paper	:	**Arvacheen Hindi kavya**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	अर्वाचीन हिन्दी काव्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 निर्धारित कवियों की रचनाओं से व्याख्यांश

1. **मैथिलीशरण गुप्त**	–भारत भारती (भविष्यत् खंड से शिक्षा एवं आशा)
2. **जयशंकर प्रसाद**	–कामायनी (श्रद्धा सर्ग)
3. **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला**	–राम की शक्तिपूजा
4. **महादेवी वर्मा**	–मैं नीर भरी दुख की बदली, बीन भी हूं मैं तुम्हारी रागिनी भी हूं
5. **रामधारी सिंह दिनकर**	–कुरूक्षेत्र (षष्ठ सर्ग)
6. **सच्चिदानंद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय**	–असाध्य वीणा
7. **गजानन माधव मुक्तिबोध**	–ब्रह्मराक्षस
8. **नागार्जुन**	–बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद

इकाई–2 मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला एवं महादेवी से एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–3 रामधारी सिंह दिनकर, अज्ञेय, मुक्तिबोध एवं नागार्जुन सें एक समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई–4 आधुनिक युग की काव्य प्रवृत्तियॉ– भारतेन्दु युग, राष्ट्रीय काव्यधारा , छायावाद, प्रगतिवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता।

इकाई–5 द्रुतपाठ– माखनलाल चतुर्वेदी, केदारनाथ अग्रवाल, भवानी प्रसाद मिश्र, रघुवीर सहाय, श्री नरेश मेहता और दुष्यन्त कुमार

(प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा)
Chairman BoS

डॉ. [illegible]

डॉ. एस. एन. [illegible]

डॉ. वन्दना अग्निहोत्री
अध्यक्ष

(डॉ आनन्द कुमार सिंह)

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक / कुल 50 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक /

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ –वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)		1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)		3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– व्याख्या – (पांच–पांच अंकों की कुल दो व्याख्याएँ)	5 X 2 =10 अंक
		कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन–

खण्ड अ–वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5	=05 अंक
खण्ड ब–लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3	=9 अंक
खण्ड स–दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2	=16 अंक
ब– व्याख्या (दस–दस अंकों की कुल दो व्याख्याएँ)	10 X 2	=20 अंक
		कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।

निर्धारित पुस्तकः अर्वाचीन हिन्दी काव्य –म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जायेगी।

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2020-2021
सत्र –2020–21

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. द्वितीय वर्ष
Subject/विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	**द्वितीय**
Title of paper/	:	**Hindi Bhasha Evam Sahitya Ka Itihas aur Kavyang Vivechan**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं इतिहास, अपभ्रंश, अवहट्ठ एवं आरंभिक हिन्दी के व्याकरणिक और व्यावहारिक रूप। हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ एवं उनका अन्तःसंबंध, मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। उन्नीसवीं सदी में खड़ी बोली का विकास। स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास ।

इकाई–2 भारत संघ की राष्ट्रीय भाषा के रूप में हिन्दी का विकास, हिन्दी भाषा के विविध रूप, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा, हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास, हिन्दी भाषा का मानक रूप। मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना, नागरी लिपि का विकास, नागरी लिपि का मानकीकरण एवं उसके सुधार के प्रयत्न।

इकाई–3 हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्व, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा एवं काल विभाजन। आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल), उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।

इकाई–4 आधुनिक हिन्दी गद्य का विकास –उपन्यास, कहानी, नाटक, रंगमंच, आलोचना एवं अन्य गद्य विधाएं, आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां एवं महत्वपूर्ण कवि– भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता ।

इकाई–5 **काव्यांग विवेचन** –रस और उसके भेद
प्रमुख छन्द – दोहा , सोरठा, चौपाई, रोला और हरिगीतिका।
प्रमुख अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान और सन्देह।

(प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा)
Chairman BOS

03.06.19

(8)

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र— 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक । कुल 50 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक ।

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – 1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब– टिप्पणी – (पांच–पांच अंकों की कुल दो टिप्पणियॉं क्रमशः)	5 X 2 =10 अंक
	कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक **। इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।**
अंक विभाजन–

खण्ड अ – 1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय(तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स– अ– दीर्घ उत्तरीय(आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब– टिप्पणी – (दस–दस अंकों की कुल 2 टिप्पणियां)	10 X 2 =20 अंक
	कुल अंक 50

टीप— दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।

निर्धारित पुस्तकः हिन्दी भाषा – साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जाएगी।

Chairman BoS

[illegible]

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2021-2022
सत्र 2021–2022

Class/कक्षा	:	B.A/बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject/ विषय	:	हिन्दी साहित्य
प्रश्न पत्र	:	**प्रथम**
Title of paper/	:	**Prayojanmoolak Hindi**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	प्रयोजनमूलक हिन्दी
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं भाषा कम्प्यूटिंग : आशय एवं स्वरूप , कामकाजी हिन्दी से तात्पर्य एवं विविध रूप। कम्प्यूटर : परिचय एवं रूपरेखा, वर्ड प्रोसेसिंग (एम.एस वर्ड), डाटा प्रोसेसिंग, यूनिकोड, हिन्दी के अधुनातन सॉफ्टवेयर टूल।

इकाई–2 पत्राचारः कार्यालयीन पत्र एवं व्यावसायिक पत्र। प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई–3 अनुवादः स्वरूप एवं प्रकिया। अनुवाद के प्रकार– कार्यालयीन, वैज्ञानिक, तकनीकी ,वाणिज्यिक, विधिक, आशु अनुवाद । हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली।

इकाई–4 पत्रकारिताः स्वरूप एवं समाचार लेखन। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, पृष्ठ–सज्जा एवं प्रस्तुतीकरण, पटकथा लेखन एवं फीचर लेखन।

इकाई–5 प्रमुख संचार माध्यम– रेडियो ,टीवी, फिल्म, वीडियो तथा इंटरनेट। संचार माध्यमों की लेखन प्रविधि, ई–मेल ।

(प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा)
Chairman BOS

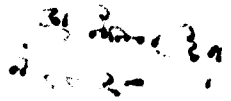

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक / कुल 50 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक /

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब– टिप्पणी – (पांच–पांच अंकों की कुल 02 टिप्पणियॉ क्रमशः)	5 X 2 =10 अंक
	कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन–

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स– अ–दीर्घ उत्तरीय(आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब– टिप्पणी – (दस–दस अंकों की कुल 02 टिप्पणियां)	10 X 2 =20 अंक
	कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे ।
निर्धारित पुस्तकः प्रयोजनमूलक हिन्दी म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जाएगी।

(प्रो. शैलेंद्रकुमार शर्मा)
Chairman BOS

03.06.19

[illegible]

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Session 2021-2022
सत्र 2021–2022

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject/ विषय	:	हिन्दी साहित्य–वैकल्पिक प्रश्न पत्र (अ)
प्रश्न पत्र	:	**द्वितीय**
Title of Paper	:	**Hindi Natak, Nibandh, Tatha Sphut Gadya Vidhayen Evam Bundeli Bhasha**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बुन्देली भाषा–साहित्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 व्याख्यांशः

क. नाटक–

भारत दुर्दशा (भारतेन्दु) अथवा स्कन्दगुप्त (जयशंकर प्रसाद) अथवा आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश)

निबंध–

कविता क्या है (पं.रामचन्द्र शुक्ल), कुटज (हजारीप्रसाद द्विवेदी), संवत्सर (अज्ञेय), उत्तरा फाल्गुनी के आसपास (कुबेरनाथ राय)

ख. बुन्देली भाषा–साहित्य

ईसुरी, जगनिक', माधव शुक्ल 'मनोज' एवं संतोष सिंह बुन्देला की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

इकाई–2 भारत दुर्दशा अथवा स्कन्दगुप्त अथवा आषाढ़ का एक दिन एवं निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास । (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तान्त)

इकाई–4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित **बुन्देली भाषा** और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई–5 द्रुतपाठ– (क) नाटकककार–लक्ष्मीनाराययण मिश्र, डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, धर्मवीर भारती, निबंधकार–बाबू गुलाब राय, रेखाचित्रकार–महादेवी वर्मा, पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।
(ख) गोरे लाल, गंगाधर व्यास, पं. भैयालाल व्यास एवं डॉ.दुर्गेश दीक्षित पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

(प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा)
Chairman BoS

डॉ. वन्दना अग्निहोत्री
(अध्यक्ष)

03.06.19

(डॉ. आनंद कुमार सिंह)

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक । कुल 50 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक ।

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब– व्याख्यांश – (पांच–पांच अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	5 X 2 =10 अंक
	कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन–

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स– अ–दीर्घ उत्तरीय(आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब–व्याख्यांश – (दस–दस अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	10 X 2 =20 अंक
	कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।

निर्धारित पुस्तकः 'हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बुन्देली भाषा–साहित्य' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जाएगी।

(प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा)
Chairman BoS

डॉ. वन्दना अग्निहोत्री
(अध्यक्ष)

03.06.19

(डॉ आनन्दकुमार सिंह)

(13)

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.

उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
Session 2021-2022
सत्र 2021–2022

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject/ विषय	:	हिन्दी साहित्य–वैकल्पिक प्रश्न पत्र **(ब)**
प्रश्न पत्र	:	**द्वितीय**
Title of Paper	:	**Hindi Natak, Nibandh, Tatha Sphut Gadya Vidhayen Evam Bagheli Bhasha**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं **बघेली** भाषा–साहित्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 व्याख्यांशः

क. नाटक–

भारत दुर्दशा (भारतेन्दु) अथवा स्कन्दगुप्त (जयशंकर प्रसाद) अथवा आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश)

निबंध–

'कविता क्या है'(पं.रामचन्द्र शुक्ल), कुटज (हजारी प्रसाद द्विवेदी), संवत्सर (अज्ञेय), उत्तरा फाल्गुनी के आसपास (कुबेरनाथ राय)

ख. बघेली भाषा–साहित्य'

सैफुद्दीन सिद्दकी सैफू, अमोल बटरोही एवं 'शिवशंकर मिश्र "सरस" की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

इकाई–2 भारत दुर्दशा अथवा स्कन्दगुप्त अथवा आषाढ़ का एक दिन् एवं निर्धारित निबंधो से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास । (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, यात्रा वृत्तान्त)

इकाई–4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित **बघेली भाषा** और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई–5 द्रुतपाठ– (क) नाटककार–लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, धर्मवीर भारती, निबंधकार–बाबू गुलाब राय, रेखाचित्रकार–महादेवी वर्मा, पर केन्द्रित लघु उत्तरीय

(ख) रामनाथ प्रधान, बाबूलाल दाहिया, मैथिलीशरण शुक्ल 'मैथिली' एवं सुदामा शरद पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

13

03.06.19

Chairman BOS

(14)

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए—

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 40 अंक + आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 10 अंक / कुल 50 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन (5 अंक त्रैमासिक + 05 अंक छह मासिक) = कुल 10 अंक /

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब– व्याख्यांश – (पांच–पांच अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	5 X 2 =10 अंक
	कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन–

खण्ड अ – वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब– लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स– अ–दीर्घ उत्तरीय(आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
ब– व्याख्यांश – (दस–दस अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	10 X 2 =20 अंक
	कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।

निर्धारित पुस्तकः 'हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं बघेली भाषा–साहित्य' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जाएगी।

(Chairman BOS)

[illegible]

(15)

Department of Higher Education,Govt of M.P
Under graduate Annual Pattern wise syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये वार्षिक पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
Session 2021-22
सत्र 2021–2022

Class/ कक्षा	:	B.A/बी.ए. तृतीय वर्ष
Subject/ विषय	:	हिन्दी साहित्य–वैकल्पिक प्रश्न पत्र **(स)**
प्रश्न पत्र	:	**द्वितीय**
Title of Paper	:	**Hindi Natak, Nibandh, Tatha Sphut Gadya Vidhayen Evam Malvi Bhasha**
प्रश्नपत्र का शीर्षक	:	हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं **मालवी** भाषा–साहित्य
Max.Marks /अधिकतम अंक	:	40 नियमित 50 स्वाध्यायी

Particulars/विवरण

इकाई–1 व्याख्यांशः

क. नाटक–

भारत दुर्दशा (भारतेन्दु) अथवा स्कन्दगुप्त (जयशंकर प्रसाद) अथवा आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश)

निबंध–

कविता क्या है (पं.रामचन्द्र शुक्ल), कुटज (हजारी प्रसाद द्विवेदी), संवत्सर (अज्ञेय), उत्तरा फाल्गुनी के आसपास (कुबेरनाथ राय)

ख. मालवी भाषा–साहित्य

'संत पीपा , आनंदराव दुबे, बालकवि बैरागी एवं नरहरि पटेल, की निर्धारित रचनाओं से व्याख्या।

इकाई–2 भारत दुर्दशा अथवा स्कन्दगुप्त अथवा आषाढ़ का एक दिन एवं निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3 नाटक एवं एकांकी का इतिहास एवं प्रवृत्तियाँ। हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास । (निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा,यात्रा वृत्तान्त)

इकाई–4 पठित कवियों पर आलोचनात्मक प्रश्न सहित **मालवी भाषा** और उसकी उपबोलियों का परिचय, इतिहास तथा सीमा क्षेत्र।

इकाई–5 द्रुतपाठ– (क) नाटकककार–लक्ष्मीनारायण मिश्र, डॉ.लक्ष्मी नारायण लाल, धर्मवीर भारती, निबंधकार–बाबू गुलाब राय, रेखाचित्रकार–महादेवी वर्मा, पर केन्द्रित लघु उत्तरीय।
(ख) मदनमोहन व्यास, हरीश निगम, मोहन सोनी, शिव चौरसिया एवं श्री निवास जोशी पर केन्द्रित लघु उत्तरीय प्रश्न।

(प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा)
Chairman BoS

डॉ. पुरुषोत्तम दुबे

डॉ. वन्दना अग्निहोत्री
अध्यक्ष

अंक विभाजनः नियमित विद्यार्थियों के लिए

सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र– 40 अंक,. आन्तरिक मूल्यांकन 05 अंक त्रैमासिक , 05 अंक छह मासिक कुल 10 अंक । इस प्रकार कुल मिलाकर 50 अंक

नियमित विद्यार्थियों हेतु सैद्धान्तिक मूल्यांकन हेतु अंक विभाजन कुल अंक 40

खण्ड अ –	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– व्याख्यांश – (पांच–पांच अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	5 X 2 =10 अंक
		कुल अंक 40

स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए निर्धारित – कुल 50 अंक । इनका आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

अंक विभाजन–

खण्ड अ –	वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न)	1 X 5 =05 अंक
खण्ड ब–	लघु उत्तरीय (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न)	3 X 3 =09 अंक
खण्ड स–	अ–दीर्घ उत्तरीय(आठ–आठ अंकों के कुल 02 समीक्षात्मक प्रश्न)	8 X 2 =16 अंक
	ब– व्याख्यांश – (दस–दस अंकों के कुल दो व्याख्यांश)	10 X 2 =20 अंक
		कुल अंक 50

टीप– दीर्घ उत्तरीय एवं लघु उत्तरीय प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे।

निर्धारित पुस्तकः "हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ एवं मालवी भाषा–साहित्य" म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल से प्रकाशित की जाएगी।